1 थिस्सलुनीकियों 5:18-19

“हर स्थिति में धन्यवाद दो; क्योंकि यह तुम्हारे लिए मसीह यीशु में भगवान की इच्छा है। पवित्र आत्मा को शमन मत करो।” (NIV)

पवित्र आत्मा के रूप में अग्नि

शास्त्र में पवित्र आत्मा को अक्सर अग्नि के रूप में चित्रित किया जाता है। पेंटेकोस्ट के दिन, जब आत्मा अवतार हुआ, तो वह केवल जीभों के रूप में नहीं, बल्कि अग्नि की जीभों के रूप में प्रकट हुआ था:

प्रेरितों के काम 2:1-4

“जब पेंटेकोस्ट का दिन आया, तो वे सभी एक जगह पर एकत्रित थे। अचानक आकाश से एक शोर आया, जैसे तेज़ हवा का बवंडर हो, और
पूरी उस जगह को भर दिया जहाँ वे बैठे थे। उन्होंने आग की जीभों जैसा कुछ देखा, जो अलग-अलग होकर प्रत्येक पर आकर ठहरी।

और वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और आत्मा के द्वारा उन्हें
जो बोला जाता था, वे अन्य भाषाओं में बोलने लगे।”

आग का रूप पवित्र आत्मा की शुद्ध करने वाली, शक्ति देने वाली और गहरे तक प्रवेश करने वाली प्रकृति का प्रतीक है। जैसे आग अशुद्धियों को शुद्ध करती है और जलाती है, वैसे ही आत्मा हमारे हृदयों को प्रज्वलित करता है, हमारे शब्दों में शक्ति भरता है और शत्रु के कामों को नष्ट करता है।

अग्नि की जीभें क्या हैं?

यह कोई वास्तविक लौ नहीं थीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से प्रकट होने वाली घटनाएँ थीं। वे “जीभें” जो उनके ऊपर ठहरी थीं, वे उनके मुँह से निकलने वाले आध्यात्मिक शब्दों का दृश्य संकेत थीं। ये वे शब्द थे जिन्हें पवित्र आत्मा ने शक्ति दी थी—वह शब्द जो हृदयों में प्रवेश करते थे।

पवित्र आत्मा प्राप्त करने के बाद, पतरस ने प्रचार किया—और 3,000 लोग अपने दिलों में कट गए और पश्चाताप किया:

प्रेरितों के काम 2:37-38, 41

“जब लोगों ने यह सुना, तो वे अपने दिल में पछताए और पतरस और बाकी प्रेरितों से कहा, ‘भाइयो, हम क्या करें?’ पतरस ने उत्तर दिया, ‘पश्चाताप करो और हर एक तुम्हारे पापों की क्षमा के
लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा
की वरदान प्राप्त करोगे।’… जिन्होंने उसका संदेश स्वीकार
किया, वे बपतिस्मा लेने गए, और उस दिन लगभग तीन हजार लोग उनके समुदाय में जुड़ गए।”

यह दिल में कट जाने वाली स्थिति मानवीय वाकपटुता से नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा की आग से थी। पेंटेकोस्ट से पहले, पतरस के शब्दों में ऐसी शक्ति नहीं थी, लेकिन जब वह आत्मा से भर गए, उनके शब्द जलती हुई आग की तरह हो गए, जो दूसरों में विश्वास और पश्चाताप को प्रज्वलित करते थे।

आत्मा से भरपूर भाषण और प्रार्थना

वहीं पवित्र आत्मा की वह आग जो पतरस के शब्दों से प्रकट हुई, वही हम प्रार्थना करते समय उपयोग करते हैं। चाहे हम जीभों में प्रार्थना करें या समझ के साथ, पवित्र आत्मा से शक्ति प्राप्त शब्द भगवान के सामने अग्नि की तरह होते हैं—वे पिता के हृदय तक प्रवेश करते हैं।

रोमियों 8:26

“उसी प्रकार, आत्मा हमारी दुर्बलता में हमारी सहायता करता
है। हमें नहीं पता कि हमें क्या प्रार्थना करनी चाहिए,
लेकिन आत्मा स्वयं बिना शब्दों के हमारी behalf पर
प्रार्थना करता है।”

आत्मा से प्रेरित प्रार्थना मानवीय शब्दों से आगे बढ़कर, भगवान के हृदय की गहराईयों में पहुंच जाती है। यह अंतरंग, तात्कालिक और प्रभावी होती है।

यहां तक कि प्रचार में भी, एक आत्मा से भरा हुआ व्यक्ति चतुर भाषण या मानवीय ज्ञान पर निर्भर नहीं होता:

1 कुरिन्थियों 2:4-5

“मेरा संदेश और मेरी प्रचार शैली न तो बुद्धिमानी और आकर्षक शब्दों से थी, बल्कि आत्मा की शक्ति के प्रदर्शन से थी, ताकि तुम्हारा विश्वास मानवीय ज्ञान पर न टिके, बल्कि भगवान की शक्ति पर टिके।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

पवित्र आत्मा को शमन मत करो

पौलुस हमें चेतावनी देता है कि हम पवित्र आत्मा को शमन न करें (1 थिस्सलुनीकियों 5:19)। इसका मतलब है पवित्र आत्मा के कार्य को दबाना, प्रतिरोध करना या उसका दु:ख देना। जब हम ऐसा करते हैं, तो आग बुझ जाती है।

ठीक उसी तरह जैसे शारीरिक आग को बुझाया जा सकता है, वैसे ही पवित्र आत्मा की आग को भी मारा जा सकता है—खासकर इन कारणों से:

शब्दों की तिरस्कार करना

जानबूझकर पाप में जीना

आत्मा के संकेतों को नकारना

मानव बुद्धि से भगवान के सत्य का विरोध करना

आग को बुझाने वाले कारण

1. क्रूस का तिरस्कार और आत्मा के प्रेरणा को नज़रअंदाज़ करना यदि आत्मा तुम्हें पाप का एहसास कराता है, और तुम जानबूझकर अनदेखा करते हो, तो तुम उसकी कृपा का अपमान कर रहे हो। यह आध्यात्मिक अहंकार है।

इब्रानियों 10:29

“तुम्हारे अनुसार कौन सा व्यक्ति अधिक कठोर दंड का पात्र है, जिसने परमेश्वर के पुत्र को अपमानित किया, और संधि के रक्त को अपवित्र माना… और उसने कृपा के आत्मा का अपमान किया?”

2. अधर्मपूर्ण जीवन द्वारा आत्मा का विरोध करना
जब हम भगवान के वचन से स्पष्ट निर्देशों को नकारते हैं, तो हम आत्मा का विरोध कर रहे हैं। उदाहरण के लिए:

शराब पीने पर:
इफिसियों 5:18 – “द्राक्षपान से मत मत्त होओ… बल्कि आत्मा
से भर जाओ।”

शुद्धता और सरलता पर:
1 तिमुथियुस 2:9-10 – “मैं चाहता हूँ कि महिलाएँ शालीनता से वस्त्र पहनें… अच्छे कामों के साथ, जो उन महिलाओं के लिए उपयुक्त हों, जो भगवान की पूजा करना स्वीकार करती हैं।”

यदि हम इन स्पष्ट शिक्षाओं को अपने इच्छाओं के अनुसार व्याख्या या नजरअंदाज करते हैं, तो हम आत्मा को शोकित और शमन कर रहे हैं।

प्रेरितों के काम 7:51

“तुम कठोर हृदय वाले लोग! तुम्हारे हृदय और कान अघुलित हैं।
तुम अपने पूर्वजों के समान हो: तुम हमेशा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो!”

क्यों हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता है

बिना पवित्र आत्मा के हम नहीं कर सकते:

प्रभावी प्रार्थना

शक्तिशाली प्रचार

पवित्र जीवन जीना

विजय में चलना

दूसरों को मसीह के लिए प्रभावित करना

वह हमारे हृदयों में आग है। अगर वह आग बुझ जाती है, तो केवल मृत धर्म, निरर्थक शब्द और निष्फल प्रयास ही बचते हैं।

आग को पुनः प्रज्वलित कैसे करें

अगर आपने पवित्र आत्मा को शमन किया है, तो आशा है। आग पुनः प्रज्वलित की जा सकती है:

वास्तविक पश्चाताप द्वारा

भगवान के वचन के प्रति फिर से समर्पण करके

ताजगी से भरने के लिए प्रार्थना करके

क्या आपने पवित्र आत्मा प्राप्त किया है?

यदि आपने अब तक यीशु मसीह को अपना जीवन नहीं दिया है, तो वहीं से शुरुआत करें। पाप से पश्चाताप करें, सुसमाचार पर विश्वास करें, और उनके नाम से बपतिस्मा लें।

प्रेरितों के काम 2:38

“पश्चाताप करो और हर एक तुम्हारे पापों की क्षमा के लिए
यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा का
वरदान प्राप्त करोगे।”

अंतिम प्रेरणा

पवित्र आत्मा की आग को अपने हृदय में उज्जवल रूप से जलने दो। साहस के साथ वचन बोलो, जुनून के साथ प्रार्थना करो, और आज्ञाकारिता से चलो। जो भगवान ने तुम्हारे भीतर प्रज्वलित किया है, उसे शमन मत करो।

“उत्साह में कभी कमी न होने दो, बल्कि आत्मिक उर्जा बनाए रखो, प्रभु की सेवा करते रहो।”
— रोमियों 12:11.

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp